University in News on 18 February 2025

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

स्नातक के बाद अब सीधे पीएचडी कराएगा लविवि

पीएचडी अध्यादेश 2023 में किया जाएगा बदलाव, नए सत्र में होगी व्यवस्था

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में विद्यार्थी स्नातक के बाद सीधे पीएचडी कर सकेंगे। इसके लिए विश्वविद्यालय अपने पीएचडी अध्यादेश में संशोधन करने जा रहा है, जिसमें स्नातक के बाद पीएचडी में प्रवेश देने का प्रावधान किया जाएगा। इसकी तैयारी शुरू हो गई है, कुलपति की मंजूरी के बाद जल्द ही इस संबंध में समिति गठित की जाएगी।

लविवि में सत्र 2020-21 राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) प्रभावी है। इसमें स्नातक को चार वर्षीय पाठ्यक्रम के तौर पर डिजाइन किया गया है। लविवि के कला संकाय में पहली बार कई विभागों में चार वर्षीय स्नातक कोर्स में विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। स्नातक कार्यक्रम पूरा करने के बाद एनईपी गाइडलाइन के मुताबिक ये पीएचडी में प्रवेश लेने के लिए अर्ह हो जाएंगे।

लविवि में अभी तक इस संबंध में कोई नीति या व्यवस्था नहीं है कि विद्यार्थी स्नातक में पीएचडी के लिए आवेदन कर पाएं। अब जब इसकी जरूरत महसूस हुई है तो विवि अपने पीएचडी अध्यादेश में परिवर्तन करने जा रहा है। वर्तमान में लविवि में पीएचडी अध्यादेश 2023 प्रभावी है। इसमें इस संबंध में कोई व्यवस्था नहीं है।

बीबीएयू ने गठित की समिति : बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय में भी चार वर्षीय स्नातक के बाद सीधे पीएचडी में प्रवेश देने के लिए समिति का गठन कर दिया गया है, जो जल्द ही अध्यादेश में संशोधन के लिए सभी जरूरी पहलुओं पर विचार कर रिपोर्ट कुलसचिव को दे देगी। इसके बाद अध्यादेश में बदलाव कर प्रावधानों को लागू कर दिया जाएगा।

“ पीएचडी अध्यादेश 2023 में चार वर्षीय स्नातक के विद्यार्थियों के लिए पीएचडी में आवेदन का प्रावधान नहीं है। इसे करने के लिए लविवि अध्यादेश में बदलाव कर इन प्रावधानों को लागू करेगा। - प्रो. गीतांजलि मिश्रा, डीन एकेडमिक लविवि

नेट के आधार पर भी ले सकेंगे प्रवेश

नई शिक्षा नीति के तहत स्नातक चतुर्थ वर्ष में विद्यार्थी यूजीसी नेट की परीक्षा में भी प्रतिभाग कर सकेंगे। अगर वह इसमें सफल होते हैं तो नेट के स्कोर के आधार पर भी पीएचडी में दाखिले के लिए मान्य हो जाएंगे। ऐसे में इन्हें परास्नातक करने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी।

लविवि : एमबीए व बीटेक सहित 19 कोर्सों ढे परिणाम जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में विषम सेमेस्टर परीक्षा के तहत स्नातक और परास्नातक के कई विषयों के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। विद्यार्थी विवि की वेबसाइट पर विस्तृत परीक्षा परिणाम देख सकते हैं। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि जिन कोर्सों का परिणाम जारी हुआ है, उनमें सभी स्ट्रीम के एमबीए के पांचवें सेमेस्टर, बीटेक कंप्यूटर साइंस, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, सीएसई-एआई, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स व मैकेनिकल इंजीनियरिंग के पंचम सेमेस्टर शामिल है। इसके साथ ही तीन वर्षीय एलएलबी के प्रथम, तृतीय व पंचम सेमेस्टर और बीयूएमएस प्रथम व द्वितीय सेमेस्टर, बीवोक रिन्यूबल एनर्जी, सॉफ्टवेयर डेवलेपमेंट के तृतीय सेमेस्टर, एमएससी फूड प्रोसेसिंग एंड फूड टेक्नोलॉजी प्रथम व रिन्यूबल एनर्जी तृतीय सेमेस्टर का रिजल्ट जारी किया गया है। (संवाद)

भाषा विवि के भी चार कोर्स के परिणाम जारी

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में विषम सेमेस्टर की परीक्षाओं के क्रम में सोमवार को बीबीए, बीकॉम, बीसीए और बीएससी के सभी विषयों का परीक्षा परिणाम जारी कर दिया गया। विद्यार्थी समर्थ पोर्टल पर लॉगिन आईडी से परिणाम देख सकते हैं। किसी तरह की समस्या आने पर परीक्षा विभाग में संपर्क कर सकते हैं। (संवाद)

भीष्म ने की 60 दिन की समुद्री इंटर्नशिप

लखनऊ। लखनऊ विवि में हबीबुल्लाह छात्रावास के अंतःवासी भीष्म चौधरी सोमवार को भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया और यूएसए के बीच हुई समुद्री इंटर्नशिप पूरी कर लौट आए। भीष्म ने कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय से अनुभव साझा किए। प्रवोस्ट डॉ. महेंद्र अग्निहोत्री ने बताया कि छात्र ने भारतीय तटरक्षक पोत शौनक में 11 दिसंबर से नौ फरवरी तक लगभग 60 दिन की समुद्री यात्रा में सिंगापुर, जापान, इंडोनेशिया की यात्रा की। (संवाद)

मौलिक अधिकारों की जानकारी दी

लखनऊ। लविवि के विधि संकाय में स्थापित विधिक सहायता केंद्र व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से ठाकुर पब्लिक स्कूल जानकीपुरम में संवैधानिक मौलिक अधिकारों और मूल कर्तव्यों पर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन हुआ। शुभम सिंह ने बच्चों को कानून के समक्ष समानता, जाति, धर्म, लिंग, जन्म स्थान आदि के आधार पर भेदभाव का निषेध, उपाधियों के अंत के बारे में जानकारी दी। (संवाद)

लक्ष्य पर ध्यान दें, तुलना न करें : डॉ. शिवानी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग, काउंसिलिंग एंड गाइडेंस सेल और हैप्पी थिंकिंग लैबोरेटरी की ओर से ध्यान एवं मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष व्याख्यान हुआ। मुख्य वक्ता काउंसलर डॉ. शिवानी मिश्रा ने कहा कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए हमें दूसरों से तुलना नहीं करनी चाहिए।

काउंसिलिंग एंड गाइडेंस सेल की निदेशक डॉ. वैशाली सक्सेना ने कहा कि यह सेल कार्यशालाएं आयोजित करने के साथ ही विद्यार्थियों की व्यक्तिगत रूप से भी काउंसिलिंग करती है। विभागाध्यक्ष प्रो. पवन अग्रवाल, प्रो. योगेंद्र सिंह, प्रो. सूरज बहादुर थापा, डॉ. राहुल पांडेय, डॉ. सैंथिल कुमार आदि ने भी विचार रखे। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 7

चार वर्षीय यूजी के बाद पीएचडी की तैयारी

एलयू

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में चार वर्षीय स्नातक करने वाले छात्र-छात्राओं को सीधे पीएचडी में प्रवेश देने की योजना बनाई जा रही है। इसके लिए पीएचडी अध्यादेश 2023 में बदलाव करने की तैयारी की जा रही है। अधिष्ठाता अकादमिक की ओर से कुलपति को प्रस्ताव भेजा जाएगा। जहां से मंजूरी के बाद विश्वविद्यालय स्तर पर समिति का गठन कर रूपरेखा बनेगी।

एलयू में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) को शैक्षिक सत्र 2020-21 से लागू किया गया था। जिसके तहत स्नातक को चार वर्षीय पाठ्यक्रम के तौर पर डिजाइन किया गया था। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव का कहना है कि विवि ने इसी सत्र में स्नातक चतुर्थ वर्ष के लिए प्रवेश प्रक्रिया आयोजित की थी। जिसमें 7.5 सीजीपीए से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को आवेदन का मौका भी दिया था। जिसके बाद कई संकायों में पहली बार स्नातक के चतुर्थ वर्ष में छात्रों ने प्रवेश भी लिया था। प्रवक्ता ने बताया कि एनईपी के मुताबिक चार वर्षीय स्नातक के बाद विद्यार्थी सीधे पीएचडी में प्रवेश के अर्ह हो जाएंगे।

04 वर्षीय स्नातक कोर्स एनईपी के तहत बना

- कुलपति को प्रस्ताव भेजा जाएगा मंजूरी के लिए
- स्नातक चतुर्थ वर्ष प्रवेश प्रक्रिया इसी सत्र में हुई

एलयू: प्रस्तुतियां देने वाले युवा सम्मानित

लखनऊ। एलयू के 104वें स्थापना दिवस पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देने वाले विद्यार्थियों को सोमवार को सम्मानित किया गया। मालवीय सभागार में संस्कृतिकी सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सभी विद्यार्थियों को प्रमाण देकर पुरस्कृत किया। कुलपति ने कहा कि विद्यार्थी किसी भी संस्थान की आधारशिला होते हैं।

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया था।

सफलता के लिए लक्ष्य पर ध्यान दें: शिवानी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के हिन्दी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग, काउंसलिंग एंड गाइडेंस सेल और हैप्पी थिंकिंग लैबोरेटरी की ओर से ध्यान एवं मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष व्याख्यान हुआ। मुख्य वक्ता काउंसलर डॉ. शिवानी मिश्रा ने कहा कि सफल और उत्तम जीवन जीने के लिए दूसरों से तुलना की अपेक्षा अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। कुछ करने या बोलने से पहले विचार करना चाहिए। सभी के प्रति कृतज्ञ रहना चाहिए। उन्होंने छात्रों को महात्मा गौतम बुद्ध की ध्यान प्रक्रिया आनापानासति के व्यावहारिक स्वरूप को कराया।

काउंसलिंग एंड गाइडेंस सेल की निदेशक डॉ. वैशाली सक्सेना ने कहा कि यह सेल कार्यशालाएं आयोजित करने के साथ ही विद्यार्थियों को व्यक्तिगत रूप से भी काउंसलिंग प्रदान करती है।

मौलिक अधिकारों की जानकारी दी

लखनऊ। एलयू के विधिक सहायता केंद्र और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से ठाकुर पब्लिक स्कूल जानकीपुरम में मौलिक अधिकार बताए गए।

i-NEXT PAGE 2

भीष्म ने पूरी की 60 दिनों की समुद्री यात्रा

LUCKNOW (17 Feb) : एलयू के बीएससी थर्ड ईयर के स्टूडेंट भीष्म चौधरी ने ओवरसीज डिप्लॉयमेंट के तहत ऑनबोर्ड शिप आईसीजीएस शौनक से 60 दिन की समुद्री यात्रा पूरी करते हुए सिंगापुर, इंडोनेशिया, जापान के कल्चर के बारे में जाना. इस यात्रा के तहत भीष्म को इंडियन कोस्ट गार्ड के वर्तमान महानिदेशक परमेश शिवमणि, सिंगापुर में भारत के राजदूत शिल्पक अम्बुले और जापान में भारत के राजदूत सीबी जॉर्ज से मुलाकात का अवसर मिला. भीष्म एलयू की एनसीसी टीम के कैडेट हैं और वह भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया, यूएसए के बीच हुई एचएनएस ट्रेनिंग का हिस्सा थे. एचएनएस ट्रेनिंग के बारे में बात करते हुए भीष्म कहते हैं कि उन्होंने इस 60 दिन की यात्रा में जहरीले सब्सटेंसेस को रोकने के तरीकों के बारे में जाना, शिप पर ट्रेनिंग की और 18000 किमी की यात्रा में इंडियन ओशियन को क्रॉस करते हुए अलग-अलग देशों की यात्रा की. भीष्म ने बताया कि उन्होंने इंडियन कल्चर के अलग-अलग डांस फॉर्म के बारे में जानकर फॉरेन कंट्री में भी इंडियन कल्चर को प्रमोट किया.

PIONEER PAGE 3

स्थापना दिवस सप्ताह में उत्कृष्ट योगदान देने वाले छात्रों को एलयू ने किया सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के 104वें स्थापना दिवस सप्ताह के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सोमवार को विवि की तरफ से सम्मानित किया गया। स्थापना दिवस सप्ताह समारोह का आयोजन 19 नवंबर से 25 नवंबर के बीच किया गया था। सप्ताह भर चलने वाले समारोह में काव्य पाठ, भाषण, गायन, नृत्य, फैशन शो, नाटक, फोटोग्राफी और वर्चुअल टूर जैसी विविध सांस्कृतिक और रचनात्मक गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिसमें विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मालवीय सभागार में आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय उपस्थित रहे। समारोह में प्रो. नलिनी पांडे (प्रोफेसर ऑफ एमिनेंस) और प्रो. संगीता साहू (निदेशक, आईक्यूएसी) ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया। दोनों गणमान्य अतिथियों ने विद्यार्थियों के समर्पण की सराहना की और उन्हें भविष्य में और ऊँचाइयाँ छूने के लिए प्रेरित किया। अपने संबोधन में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि विद्यार्थी किसी भी संस्थान की आधारशिला होते हैं, और उनके बिना कोई भी संस्थान संचालित नहीं हो सकता।

JAGRAN CITY PAGE III

स्थापना दिवस को यादगार बनाने वाले विद्यार्थी सम्मानित

लवि के मालवीय सभागार में हुआ **सम्मान समारोह** प्रतिभागियों व समिति के सदस्यों को दिया प्रशंसा पत्र

जासं • लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने 104वें स्थापना दिवस सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं आयोजनों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सोमवार को सम्मानित किया। मालवीय सभागार में हुए समारोह में स्वयंसेवकों, प्रतिभागियों और आयोजन समिति के सदस्यों को प्रशंसा पत्र दिया गया। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि विद्यार्थी किसी भी संस्थान की आधारशिला होते हैं। उनके बिना कोई भी संस्थान संचालित नहीं हो सकता। वर्तमान में विश्वविद्यालय में 23,000 विद्यार्थी नामांकित हैं, और यह संख्या लगातार बढ़ रही है। उन्होंने यह भी कहा कि माता-पिता विद्यार्थियों के जीवन में अहम भूमिका निभाते हैं। इसलिए इस सम्मान समारोह में उन्हें भी आमंत्रित किया गया ताकि वे अपने बच्चों की उपलब्धियों का हिस्सा बन सकें।

सांस्कृतिकी निदेशक प्रो. अंचल श्रीवास्तव के नेतृत्व में आयोजित इस समारोह में प्रो. नलिनी पांडे और प्रो. संगीता साहू ने विद्यार्थियों की प्रतिभा और समर्पण की सराहना की। समारोह में 200 विद्यार्थियों को सम्मान मिला। 64 को विशेष प्रशंसा पत्र दिया गया।

लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय भवन में सोमवार को सम्मानित हुए विद्यार्थी • जागरण

ये हुए सम्मानित :

- प्रतिभागी वर्ग : श्रेया मिश्रा, लक्ष्मी त्रिपाठी, अंकित कुमार यादव, अंशिका पांडे, माल्या सिंह (बीए सेमेस्टर द्वितीय), शिवांगी सिंह (बीए सेमेस्टर प्रथम, बैकस्टेज टीम)।
- नृत्य समूह : सौम्या अग्रहरी, साक्षी यादव, प्रज्ञा सिंह आदि (सात सदस्य)।

स्वयंसेवक: आयोजन में योगदान देने वाले पांच स्वयंसेवक।

- फोटोग्राफी टीम : शिवम सिंह, शैलेंद्र प्रताप, मनु अग्रवाल आदि (सात सदस्य)।
- एनसीसी कैडेट टीम : 50 विद्यार्थी (राज, अंशिका सिंह, भूमिका गुप्ता आदि)।

फाउंडेशन डे बैंड : नंदिनी सहाई, शाश्वत दीक्षित आदि (15 विद्यार्थी)।

- रस्साकशी प्रतियोगिता : अंशिका पाल, लक्ष्मी आदि (छह प्रतिभागी)।

प्रयोगात्मक परीक्षा 27 को

लवि के फिजिक्स विभाग ने बी.एससी फिजिक्स तीसरे व पांचवे सेमेस्टर (नान एनईपी) एग्जम्प्टेड विद्यार्थियों की प्रयोगात्मक परीक्षा की तिथि जारी कर दी है। यह परीक्षा 27 फरवरी को सुबह नौ बजे विभाग में होगी। विद्यार्थियों को अपने प्रवेश पत्र के साथ समय से पहुंचना होगा। विभागाध्यक्ष प्रो. ओंकार प्रसाद ने इसकी सूचना वेबसाइट पर जारी की है।

लवि में राष्ट्रीय सेमिनार सात, आठ अप्रैल को

लखनऊ विश्वविद्यालय के पालीटिकल साइंस विभाग की ओर से दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन सात व आठ अप्रैल को मालवीय व एपी सेन हाल में आयोजित किया जाएगा। 'स्टेट, सोसाइटी एंड नेशन' थीम पर होने वाले सेमिनार में 300 लोग प्रतिभाग करेंगे। विभागाध्यक्ष प्रो. संजय गुप्ता ने यह जानकारी साझा की।

सफलता के लिए सकारात्मक सोच चाहिए : डा. शिवानी

कार्यशाला का शुभारंभ करतीं डा. शिवानी मिश्रा, काउंसलर व काउंसलिंग सेल की निदेशक डा. वैशाली सक्सेना, हिंदी विभाग के कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. पवन अग्रवाल • लवि

जासं • लखनऊ: 'सफलता पाने के लिए दूसरों से तुलना करने के बजाय अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। कुछ भी करने या बोलने से पहले विचार करें।' यह कहना है डा. शिवानी मिश्रा का, जो सोमवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के हिंदी और आधुनिक भारतीय भाषा विभाग में काउंसलिंग एंड गाइडेंस सेल एवं हैप्पी थिंकिंग लैबोरेटरी की ओर से ध्यान एवं मानसिक स्वास्थ्य विषय पर आयोजित विशेष व्याख्यान को संबोधित कर रहीं थीं।

उन्होंने आयुर्वेद में भोजन, पानी और पंचतत्वों के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि अच्छे विचारों के साथ भोजन व ध्यान करना चाहिए, जिससे मन और शरीर दोनों स्वस्थ रहते हैं। काउंसलिंग एंड गाइडेंस सेल की निदेशक डा. वैशाली सक्सेना ने बताया कि सेल कार्यशालाओं से विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जागरुकता प्रदान करने के साथ काउंसलिंग भी कराती है।

60 दिन समुद्री यात्रा से लौटे भीष्म

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय व डा. महेंद्र अग्निहोत्री से छात्र भीष्म चौधरी ने मिलकर अपनी समुद्री यात्रा के अनुभव साझा किए • सौजन्य : लवि

जासं • लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय से बी.एससी गणित तीसरे वर्ष के छात्र और एनसीसी कैडेट भीष्म चौधरी रोमांचक सफर से लौटे। इस दौरान उन्होंने 60 दिन तक सिंगापुर, जापान और इंडोनेशिया की यात्रा की। भारतीय तटरक्षक बल के पोत आइसीजीएस शौनक पर पूरी ट्रेनिंग भी ली। करीब 18 हजार किलोमीटर का उनका यह समुद्री सफर रहा। विश्वविद्यालय में लौटने पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने उन्हें बधाई दी। ओवरसीज डिप्लायमेंट में पूरे प्रदेश से वह अकेले कैडेट चुने गए थे। 11 दिसंबर 2024 से नौ फरवरी 2025 तक उन्होंने समुद्री यात्रा की और कई देशों में जाकर भारतीय संस्कृति को पेश किया। उन्होंने बताया कि इस यात्रा में भारतीय तटरक्षक बल के महानिदेशक परमेश शिवमणि, सिंगापुर में भारत के राजदूत शिल्पक अंबुले और जापान में भारत के राजदूत सीबी जार्ज से भी मिले। भीष्म को सोमवार को एनसीसी का सी सर्टिफिकेट भी मिल गया। आगे उनकी इच्छा भारतीय सेना में जाने की है।

AMRIT VICHAR PAGE 8

काव्योम के लिए लविवि छात्रों की सराहना

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों का दल आईआईआईटी ऊना हिमाचल प्रदेश द्वारा तीन दिवसीय ई-समिट में हिस्सा लेने गया था। विश्वविद्यालय की जेंडर सेंसेटाइजेशन सेल की कन्वेनर प्रो. रोली मिश्रा के मार्गदर्शन और विश्वविद्यालय के छात्रों की साहित्यिक पहल काव्योम फ़ाउण्डेशन द्वारा प्रस्तुति दी गई। पितृसत्ता, घरेलू हिंसा, रूढ़ियों एवं वर्तमान परिदृश्य को समायोजित रूप में प्रस्तुत करते हुए नाटक ''कितने बौने हम तुम'' के माध्यम से समाज में समानता को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया। जिसकी सराहना आईआईटी ऊना ने की है। विश्वविद्यालय के छात्रों की इस उपलब्धि पर कुलपति डॉ. आलोक कुमार राय ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

लविवि स्थापना दिवस में योगदान देने वाले विद्यार्थी सम्मानित

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय ने 19 से 25 नवंबर के बीच अपने 104वें स्थापना दिवस सप्ताह का आयोजन किया था। सप्ताह भर चलने वाले समारोह में काव्य पाठ, भाषण, गायन, नृत्य, फैशन शो, नाटक, फोटोग्राफी और वर्चुअल टूर जैसी विविध सांस्कृतिक और रचनात्मक गतिविधियां आयोजित की गईं थीं। जिसमें विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विश्वविद्यालय के संस्कृतिकी सम्मान समारोह का आयोजन संस्कृतिकी निदेशक प्रो. अंचल श्रीवास्तव के नेतृत्व में किया गया जिसमें स्थापना दिवस सप्ताह में योगदान देने वाले विद्यार्थियों, स्वयंसेवकों और प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

सम्मानित किए गए छात्र-छात्राओं के साथ कुलपति डॉ. आलोक कुमार राय। अमृत विचार

समारोह में प्रो. नलिनी पांडे और प्रो. संगीता साहू ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर कुलपति डॉ. आलोक कुमार राय ने कहा कि विद्यार्थी किसी भी संस्थान की आधारशिला होते हैं, और उनके बिना कोई भी संस्थान संचालित नहीं हो सकता। विश्वविद्यालय में वर्तमान में 23,000 विद्यार्थी नामांकित हैं, और यह संख्या लगातार बढ़ रही है, जो यह दर्शाता है कि विश्वविद्यालय न केवल शैक्षणिक बल्कि सांस्कृतिक, रचनात्मक और सामाजिक विकास पर भी ध्यान केंद्रित कर रहा है।

200 छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित

समारोह में करीब 200 विद्यार्थियों को सम्मानित कियाग गया। कुल 64 प्रतिभागियों को प्रशंसा पत्र प्रदान किए गए, जिन्होंने स्थापना दिवस सप्ताह के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सम्मानित विद्यार्थियों में श्रेया मिश्रा, लक्ष्मी त्रिपाठी, अंकित कुमार यादव, अंशिका पांडे, माल्या सिंह, शिवांगी सिंह शामिल हैं। नृत्य समूह में सौम्या अग्रहरी, साक्षी यादव, प्रज्ञा सिंह को भी सम्मानित किया गया।

सफल जीवन के लिए ध्यान करना जरूरी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग में काउंसलिंग एंड गाइडेंस सेल एवं हैप्पी थिंकिंग लैबोरेटरी के संयुक्त तत्वावधान में ध्यान एवं मानसिक स्वास्थ्य विषय पर व्याख्यान आयोजित हुआ। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ. शिवानी मिश्रा ने विद्यार्थियों से कहा कि सफल और उत्तम जीवन जीने के लिए दूसरों से तुलना की अपेक्षा अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। डॉ. वैशाली सक्सेना ने कहा कि यह सेल कार्यशालाएं आयोजित करने के साथ ही विद्यार्थियों को व्यक्तिगत रूप से भी काउंसलिंग प्रदान करती है। कार्यकारी विभागाध्यक्ष प्रो. पवन अग्रवाल ने कहा कि आज के आपाधापी के युग में ध्यान करने से मन एकाग्रचित्त होता है, एकाग्र मन से धैर्य और विवेक जाग्रत होता है।

लविवि के छात्र ने 60 दिन की समुद्री यात्रा पूरी की

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र भीष्म चौधरी हबीबुल्लाह छात्रावास के अंत :निवासी ने 60 दिनों की समुद्री यात्रा की है। ओवरसीज डिप्लॉयमेंट भारतीय तटरक्षक पोत शौनक पर 11 दिसंबर से 9 फरवरी तक उन्होंने यह यात्रा पूरी की है। समुद्री यात्रा में वह भारतीय तटरक्षक पोत शौनक ने सिंगापुर जापान, इंडोनेशिया की यात्रा की। उनकी इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय में हर्ष का माहौल है।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

उत्कृष्ट योगदान वाले विद्यार्थियों का सम्मान

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने हाल ही में अपने 104वें स्थापना दिवस सप्ताह का भव्य आयोजन किया था। जो 19 से 25 नवंबर 2024 तक चला। सप्ताह भर चलने वाले समारोह में काव्य पाठ, भाषण, गायन, नृत्य, फैशन शो, नाटक, फोटोग्राफी और वर्चुअल टूर जैसी विविध सांस्कृतिक और रचनात्मक गतिविधियां आयोजित की गईं, जिसमें विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। संस्कृतिकी सम्मान समारोह का आयोजन संस्कृतिकी निदेशक प्रो. अंचल श्रीवास्तव के नेतृत्व में किया गया, जिसमें स्थापना दिवस सप्ताह में योगदान देने वाले विद्यार्थियों, स्वयंसेवकों और प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। लविवि के मालवीय सभागार में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय उपस्थित रहे। समारोह में प्रो.नलिनी पांडे और प्रो.संगीता साहू ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया। प्रो.आलोक कुमार राय ने कहा कि लविवि में वर्तमान में 23,000 विद्यार्थी नामांकित हैं और यह संख्या लगातार बढ़ रही है, जो यह दर्शाता है कि विश्वविद्यालय न केवल शैक्षणिक बल्कि सांस्कृतिक, रचनात्मक और सामाजिक विकास पर भी ध्यान केंद्रित कर रहा है। लविवि के विद्यार्थियों ने न केवल अकादमिक बल्कि खेलकूद में भी अपनी छाप छोड़ी है। कार्यक्रम के अंत में सामूहिक फोटोग्राफी सत्र हुआ। जिसमें विद्यार्थियों, संस्कृतिकी आयोजन समिति के सदस्यों और गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। इस अवसर पर स्वागत नृत्य (स्वागत नृत्य) प्रस्तुत किया गया, जिसके बाद मासी अलहम, अभिनयश्यम और सर्वज्ञ जैसी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुई, जिनमें विद्यार्थियों की सृजनात्मकता और कला कौशल की झलक देखने को मिली। यह आयोजन लविवि की समृद्ध परंपरा का प्रमाण है, जो विद्यार्थियों में प्रतिभा, रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और नवाचार को बढ़ावा देता है। सम्मान समारोह में कुल 64 प्रतिभागियों को प्रशंसा पत्र प्रदान किए गए, जिन्होंने स्थापना दिवस सप्ताह के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सम्मानित विद्यार्थियों में श्रेया मिश्रा, लक्ष्मी त्रिपाठी, अंकित कुमार यादव, अंशिका पांडे, माल्या सिंह, शिवांगी सिंह, शामिल हैं। इसके अलावा, 7 विद्यार्थियों के नृत्य समूह सौम्या अग्रहरी, साक्षी यादव, प्रज्ञा सिंह आदि को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर पांच स्वयंसेवक जिन्होंने आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई सम्मानित किया गया। इसके अलावा, फोटोग्राफी टीम के 7 सदस्य में शिवम सिंह, शैलेन्द्र प्रताप, मनु अग्रवाल आदि। एनसीसी कैडेट टीम के 50 विद्यार्थी में राज, अंशिका सिंह, भूमिका गुप्ता आदि। डॉ.गरिमा फाउंडेशन डे बैंड के 15 विद्यार्थी में नंदिनी सहाई, शश्वत दीक्षित आदि। रस्साकशी प्रतियोगिता में 6 प्रतिभागी अंशिका पाल, लक्ष्मी आदि को सम्मानित किया गया।

LOKSATYA PAGE 3

उत्तम जीवन जीने के लिए दूसरों से तुलना की अपेक्षा अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए

लखनऊ, लोकसत्य। हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग , लखनऊ विश्वविद्यालय में काउंसलिंग एंड गाइडेंस सेल एवं हैप्पी थिंकिंग लैबोरेटरी का 'ध्यान एवं मानसिक स्वास्थ्य विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित हुआ। मुख्य वक्ता डॉ शिवानी मिश्रा ने कहा कि सफल और उत्तम जीवन जीने के लिए दूसरों से तुलना की अपेक्षा अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। कुछ करने या बोलने से पहले विचार करना चाहिए। सभी के प्रति कृतज्ञ रहना चाहिए ।उन्होंने छात्रों के मध्य आनापानासति ध्यान प्रक्रिया जोकि महात्मा गौतम बुद्ध ने ध्यान के संदर्भ में दी थी उसके व्यावहारिक स्वरूप को कराया।

आयुर्वेद में भोजन एवं पानी तथा पंचतत्व के महत्व को स्वीकार करते हुए डॉ शिवानी ने कहा कि अच्छे विचारों के साथ भोजन करना चाहिए और ध्यान करना चाहिए ।काउंसलिंग एंड गाइडेंस सेल की निदेशक डॉ. वैशाली सक्सेना ने कहा कि यह सेल कार्यशालाएं आयोजित करने के साथ ही विद्यार्थियों को व्यक्तिगत रूप से भी काउंसलिंग प्रदान करती है। कार्यकारी विभागाध्यक्ष प्रो. पवन अग्रवाल ने कहा कि आज के आपाधापी के युग में ध्यान करने से मन एकाग्रचित्त होता है, एकाग्र मन से धैर्य और विवेक जाग्रत होता है जिससे सत्-असत् की सही पहचान होती है । कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन करते हुए प्रो.योगेंद्रप्रताप सिंह ने कहा कि निरंतर चिंतन और ध्यान (निदिध्यासन)करने से आत्मज्ञान प्राप्त होता है। कार्यक्रम का संचालन प्रो. श्रुति ने किया।

TOI PAGE 3

LU students feted for cultural shows

Lucknow: Sanskritki organized a felicitation ceremony of students who participated in the cultural events throughout the year. Foreign students, including Yo-

rova Muzhda, Intizor Sultonnazarova, and Mirzoazizova Ziyoratmo from Tajikistan, were recognized for their dance performances. Shahid Khan, Akshita Yadav, Shariq Khan, Ikra Bano, Mehak Jaiswal, Aryan Yadav, and Debojit Roy Nibir, were also felicitated.